ASSAM UNIVERSITY, SILCHAR

हिन्दी विभाग

नई शिक्षा नीति के अन्तर्गत
चतुर्वर्षीय स्नातक – पाठ्यक्रम

2023 - 2024

DEPARTMENT OF HINDI

CURRICULUM

FOR

FYUG Programme

Under NEP-2020

2023-24

Semester wise list of Hindi DSC (Discipline Specific Core) Papers

SEMESTER	PAPER	NAME	CREDITS
I	HINDSC101	**HINDI SAHITYA KA ITIHAS** (REETI KAL TAK)	3
	HINDSC102	**AADIKALEEN EVAM MADHYAKALEEN HINDI KAVITA**	3
II	HINDSC151	**HINDI SAHITYA KA ITIHAS** (ADHUNIK KAL TAK)	3
	HINDSC152	**ADHUNIK HINDI KAVITA** (CHAYAVAD TAK)	3

Semester wise list of Hindi DSM (Discipline Specific Minor) Papers

SEMESTER	PAPER	NAME	CREDITS	NAME
I	HINDSM101	HINDI SAHITYA KA ITIHAS	3	DSM 1
II	HINDSM151	HINDI SAHITYA KA ITIHAS	3	DSM 2

Semester wise list of Hindi SEC (Skill Enhancement Course) Papers

SEMESTER	PAPER	NAME	CREDITS
I	HINSEC-101	HINDI BHASHA KA VYAVHARIK VYAKARAN	3
II	HINSEC-151	VIGYAPAN KLA AVAM TAKNEEK	3

Semester wise list of Hindi IDC (Interdisciplinary Course) Papers

SEMESTER	PAPER	NAME	CREDITS
I	HINIDC101	SAHITYA OR CINEMA	3
II	HINIDC151	LOK SAHITYA	3

Semester wise list of Hindi AEC (Interdisciplinary Course) Papers

SEMESTER	PAPER	NAME	CREDITS
I	HINAEC101	HINDI SAMPRESHAN	2

FYUG SYLLUBUS (NEP-2020)
HINDI
First Semester
DSM-101
Credit - 3
हिन्दी साहित्य का इतिहास
HINDI SAHITYA KA ITIHAS

उद्देश्य : इस प्रश्न-पत्र का उद्देश्य स्नातक के विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के इतिहास से समुचित रूप से परिचित करवाना है। किसी भाषा के साहित्य के इतिहास का अध्ययन उस भाषा में खुद को अभिव्यक्त करने वाले समाज के ऐतिहासिक एंव सांस्कृतिक विकास यात्रा को देखने समझने का एक उपक्रम है।

उपलब्धि : इस पाठ्य क्रम के अध्ययन के बाद विद्यार्थी साहित्य के विकास क्रम एवं उन्हें निर्मित करने वाले तत्वों को विस्तृत रूप से जान पाएंगे एवं इसके आलोक में वे विभिन्न प्रकार की साहित्यक कृतियों का अध्ययन और मूल्यांकन कर पाएंगे।

इकाई एक : कालविभाजन, नामकरण एवं आदिकाल

1.1– हिंदी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन एवं नामकरण।
1.2– आदिकाल की परिस्थितियाँ ।
1.3– आदिकालीन प्रमुख कवियों का सामान्य परिचय।
1.4– आदिकालीन साहित्य की सामान्य वि ोशताएँ।

इकाई दो : भक्तिकाल एवं रीतिकाल

2.1– भक्ति आंदोलन की पृश्ठभूमि।
2.2– प्रमुख निर्गुण एवं सूफी कवियों का सामान्य परिचय। संत काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ तथा सूफी प्रेमकाव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।
2.3– प्रमुख सगुण कवियों का सामान्य परिचय तथा सगुण भक्तिकाव्य की सामान्य वि ोशताएँ।
2.4– रीतिकाल की परिस्थितियाँ। रीतिकाल के प्रमुख कवियों का सामान्य परिचय। रीतिबद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

इकाई तीन : भारतेन्दु युग,द्विवेदी युग एवं छायावाद

3.1– आधुनिक काल के उदय कीं पृश्ठभूमि।
3.2– भारतेन्दु और उनका युग। भारतेन्दु युगीन साहित्य की प्रमुख वि ोशताएँ।
3.3– महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग। द्विवेदी युगीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

3.4– छायावाद–युग। प्रमुख छायावादी कवियों का सामान्य परिचय। छायावादी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ। राश्ट्रीय–सांस्कृतिक काव्यधारा का **सामान्य** परिचय।

इकाई चार : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता एवं साठोत्तरी कविता

4.1– प्रगतिवादी कविता, प्रयोगवादी कविता,नई कविता एवं साठोत्तरी कविता और उसके प्रमुख कवियों का सामान्य परिचय ।

4.2– प्रगतिवादी कविता, प्रयोगवादी कविता,नई कविता एवं साठोत्तरी कविता की प्रवृत्तियाँ।

इकाई पाँच : हिंदी गद्य की प्रमुख विधाएँ

5.1– हिंदी कहानी के विकास का सामान्य परिचय।

5.2– हिंदी उपन्यास के विकास का सामान्य परिचय।

5.3– हिंदी नाटकों के विकास का सामान्य परिचय।

5.4– हिंदी निबंधों के विकास का सामान्य परिचय।

5.5– हिंदी आलोचना के विकास का सामान्य परिचय।

निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक है। इस प्रकार संपूर्ण पाठ्यक्रम में न्यूनतम उत्तीर्णाक 40 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से दो-दो निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से दो-दो लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा एक-एक लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल दस प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 10 अंक (5 X 10 =50) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 4 अंक (5 X 4 = 20) निर्धारित हैं।

संदर्भ ग्रंथ : DSM-101 : हिंदी साहित्य का इतिहास

1. हिंदी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रका ान, दिल्ली।
2. हिंदी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रका ान, नयी दिल्ली।
3. नाथ संप्रदाय : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रका ान, नयी दिल्ली
4. रासो साहित्य विम ा : माता प्रसाद गुप्त (सं0), साहित्य भवन, इलाहाबाद
5. भक्ति आंदोलन इतिहास और संस्कृति : डॉ0 कुँवर पाल सिंह, वाणी प्रका ान,

दिल्ली।
6. भक्तिकाव्य की भूमिका : प्रेम ांकर, राधाकृश्ण प्रका ान, दिल्ली।
7. रीति काव्य के विविध आयामः डॉ0 सुधीन्द्र कुमार, स्वराज्य प्रका ान, नयी दिल्ली।
8. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारतीप्रका ान, इलाहाबाद।
9. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँः डॉ0 नामवर सिंह, लोकभारतीप्रका ान, इलाहाबाद।
10. छायावाद : डॉ0 नामवर सिंह , राजकमल प्रका ान, नई दिल्ली।
11. नई कविता : डॉ0 देवराज, वाणी प्रका ान, दिल्ली।
12. नयी कविता और अस्तित्ववाद : डॉ0 रामविलास भार्मा, राजकमल प्रका ान, न0 दिल्ली।
13 साठोत्तरी कविता में जनवादी चेतना : नरेन्द्र सिंह, वाणी प्रका ान, दिल्ल
14. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र भाुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा , का ाी।
15. हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ0नगेन्द(सं.), मयूर पेपर बैक्स, ए–95,सैक्टर–5,नौएडा –1
16. हिंदी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रका ान नई दिल्ली।
17. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ0 बच्चन सिंह, राधाकृश्ण प्रका ान, नई दिल्ली।
18. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, वि वविद्यालय प्रका ान, वाराणसी।
19. हिंदी रीति साहित्य : डॉ0 भगीरथ मिश्र, राजकमल प्रका ान, नई दिल्ली।
20. रीतिकालीन स्वच्छन्दकाव्य धारा : डॉ0 चन्द्र भोखर, राजपाल एण्ड सन्ज , क मीरी गेट, दिल्ली।

FYUG SYLLUBUS (NEP-2020)
HINDI
First Semester
AEC/MIL- 101
Credit - 2
HINDI SAMPRESHAN
हिन्दी संप्रेशण

उद्देश्य : इस प्रश्न-पत्र का उद्देश्य स्नातक के विद्यार्थियों को संप्रेषण के प्रकार, प्रक्रिया के रूप में हिन्दी भाषा के महत्व को रेखांकित करना है।

उपलब्धि : इस पाठ्य क्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी संप्रेषण के प्रमुख माध्यम के रूप में हिन्दी भाषा के तत्वों को जान पाएंगे तथा हिन्दी भाषा की व्याकरणिक संरचना से अवगत हो पाएंगे।

इकाई एक : संप्रेशण और उसका स्वरूप

1.1– संप्रेशण का अर्थ, उद्दे य एवं महत्त्व

1.2–संप्रेशण के प्रकार : वाचिक संप्रेशण एवं अवाचिक संप्रेशण। प्रत्यक्ष संप्रेशण (एक व्यक्ति, एक से अधिक व्यक्तिओं से, समूह से) एवं अप्रत्यक्ष संप्रेशण(रेडियो, टी. वी समाचारपत्र आदि द्वारा) तथा मौखिक संप्रेशण और लिखित संप्रेशण्ज्ञं

इकाई दो : संप्रेशण की प्रक्रिया

2.1– संप्रेशण की प्रक्रिया। मौखिक संप्रेशण के स्तर : श्रवण, उच्चारण, वाचन, पुन चर्या, बोधन, वार्तालाप, वर्णन, पुनराभिव्यक्ति, प्र नोत्तर, भाशण, वाद–विविवाद, परिचर्चा आदि।

2.2– प्रभाव ााली संप्रेशण के तत्व : भाब्द चयन एवं वाक्य रचना, उच्चारण, स्वरनियंत्रण, अनुतान, बलाघात, लय, गति, माधुर्य, हाव–भाव एवं मुद्राएँ तथा विशयानुकूल भौली।

इकाई तीन : हिंदी की वर्ण और भाब्द व्यवस्था का परिचय

3.1 – हिंदी की स्वर और व्यंजन ध्वनियाँ तथा मानक वर्तनी।

3.2 –संज्ञा, सर्वनाम, वि ोशण, क्रिया एवं अव्यय का सामान्य परिचय।

3.3–हिंदी में भाब्द रचना (उपसर्ग, प्रत्यय, समास और संधि)। विलोम और पर्यायवाची भाब्द।

इकाई चार –हिंदी वाक्य रचना

4.1.– वाक्य और उपवाक्य।

4.2– अर्थ और रचना की दृश्टि से वाक्य भेद। वाक्य रूपांतरण।

इकाई पाँच : रचना कौ ाल

5.1– किसी यात्रा या समारोह का वर्णन

5.2– सामान्य पत्र लेखन

5.3– सार लेखन अथवा पल्लवन

निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और 02 क्रेडिट का है।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 50 अंकों का है। मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 50 अंक निर्धारित हैं।
3. मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 18 अंक हैं। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि 2 घंटा है।

संदर्भ ग्रंथ सूची : हिंदी संप्रेशण

1. व्यावहारिक व्याकरण और वार्तालाप :चतुर्भुज सहाय एवं अरुण चतुर्वेदी, केंद्रीय हिंदी संस्थान,
2. हिंदी संस्थान मार्ग, आगरा– 282005।
3. प्रयोजन मूलक हिंदी और पत्रकारिता , डॉ निदे ा प्रताप सिंह, वाणी प्रका ान, नयी दिल्ली।
4. अभिव्यक्ति विज्ञान : भोलानाथ तिवारी तथा कृशणदत्त भार्मा
5. हिंदी रचना और व्याकरण : रमानाथ सहाय, रवीन्द्र नाथ श्रीवास्तव, एनसीईआरटी, दिल्ली।
6. मौखिक कौ ाल खंड–1 एवं खंड–2 रवी प्रका ा गुप्त और अजेय पंडित, केंद्रीय हिंदी संस्थान, हिंदी संस्थान मार्ग, आगरा– 282005।
7. संप्रेशणपरक व्याकरण : सिद्धान्त और स्वरूप : सुरे ा कुमार
8. भाशा प्रौद्योगिकी : सुभाश चौधरी, डी.पी.एस. पब्लि िंग हाउस, दिल्ली–52।

FYUG SYLLUBUS (NEP- 2020)
HINDI
First Semester
SEC -101
Credit - 3
HINDI BHASHA KA VYAVHARIK VYAKARAN
हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण

उद्देश्य : इस प्रश्न-पत्र का उद्देश्य स्नातक के विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा के व्यवहारिक व्याकरण से अवगत कराना तथा हिन्दी भाषा –रचना के प्रकार एवं प्रक्रिया का सम्यक बोध कराना है।

उपलब्धि : इस पाठ्य क्रम के अध्ययन के बाद विद्यार्थी हिन्दी भाषा के स्वरूप, वर्गीकरण आदि के साथ-साथ देवनागरी लिपि, शाब्दिक व्यवस्था, वाक्य विन्यास, पदबंध आदि के विकास, विशेषता एवं वैज्ञानिक प्रक्रिया की समझ विकसित कर पाएंगे।

इकाई एक : भाषा और व्याकरण

1.1 – भाषा की परिभाषा, भाषा के अंग एवं भाषा की वि ोशताएँ।
1.2 – व्याकरण की परिभाषा एवं महत्त्व।
1.3 – भाषा और व्याकरण का अंतः संबंध।

इकाई दो : हिंदी की ध्वनि व्यवस्था, हिंदी की लिपि एवं वर्तनी

2.1 –हिंदी भाशा ध्वनि के भेद (स्वर और व्यंजन तथा उनका वर्गीकरण, अनुस्वार और अनुनासिकता)। संधि, अक्षर एवं उच्चारण भौली(बलाघात, अनुतान एवंसंगम)।
2.2 – देवनागरी लिपि एवं उसकी वि ोशताएँ। देवनागरी हिंदी वर्णमाला और उसका मानकीकरण। वर्तनी से अभिप्राय एवं भाुद्ध वर्तनी का महत्त्व।
2.3 – हिंदी भाब्दों में अभाुद्ध वर्तनी के प्रयोग के मुख्य कारण तथा हिंदी भाब्दों की वर्तनीगत भाुद्ध रूप।

इकाई तीन : हिंदी में भाब्द और भाब्द–वर्ग

3.1 – भाब्द की अवधारणा, भाब्द और वाक्य, भाब्द और पद।
3.2 – भाब्दों के प्रमुख वर्गीकरण यथा स्रोत के आधार पर (तत्सम,तद्भव, दे ाज एवं विदे ाी), अर्थ के आधार पर (एकार्थी, अनेकार्थी, समानार्थी या पर्याय तथा विलोम), रचना के अधार पर (रूढ़, यौगिक एवं योगरूढ़) तथा रूपविकार के आधार पर (विकारी एवं अविकारी) की सामान्य जानकारी।
3.3 – हिंदी में भाब्दों की व्याकरणिक कोटियाँ : संज्ञा,सर्वनाम, वि ोशण और क्रिया (केवल परिभाशा और भेद)। लिंग, वचन और कारक।
3.4 – हिंदी में अव्यय : क्रियावि ोशण, समुच्च्यबोधक,संबंध बोधक ,

विस्मयादिबोधक एवं निपात की सामान्य जानकारी।

इकाई चार : हिंदी में भाब्द–रचना

4.1 –भाब्द रचना और उसका महत्त्व। रूपसाधक रचना और भाब्दसाधक रचना तथा इनमें अंतर।

4.2 – भाब्दरचना की युक्तियाँ : उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास एवं युग्म–पुनरूक्त भाब्द।

4.3 – भाब्दगत अ ुद्धियाँ एवं उनके भुाद्ध रूप।

इकाई पाँच : वाक्य विचार

5.1 – वाक्य की अवधारणा , वाक्य के घटक एवं वाक्य रचना के तत्व।

5.2– हिंदी में पाये जाने वाले प्रमुख वाक्यसाँचे।

5.3 – पदबंध और उनके प्रकार : संज्ञापदबंध, वि ोशण पदबंध, क्रिया पदबंध एवं क्रियावि ोशण पदबंध ।

5.4– वाक्य के भेद : अर्थ के आधार पर एवं रचना के आधार पर वाक्य भेद।

5.5– वाक्य रूपांतरण : संरचना की दृश्टि से, अर्थ की दृश्टि से एवं वाच्य की दृश्टि से वाक्य रूपांतरण।

5.6 – वाक्यगत अ ुद्धियाँ और उनके भुाद्धरूप ।

निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक है। इस प्रकार संपूर्ण पाठ्यक्रम में न्यूनतम उत्तीर्णाक 40 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से दो-दो निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से दो-दो लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा एक-एक लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल दस प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 10 अंक (5 X 10 =50) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 4 अंक (5 X 4 = 20) निर्धारित हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची : हिंदी भाशा का व्यावहारिक व्याकरण

1. व्यावहारिक हिंदी व्याकरण और वार्तालाप : चतुर्भुज सहाय एवं अरुण चतुर्वेदी प्रका ाक– केन्द्रीय हिंदी संस्थान, हिंदी संस्थान मार्ग, आगरा– 282005 (उ0प्र0)

2. व्यावहारिक हिंदी संरचना और अभ्यास : स0 चतुर्भुज सहाय अरुण चतुर्वेदी प्र0 केन्द्रीय हिंदी संस्थान, हिंदी संस्थान मार्ग, आगरा– 282005 (उ0प्र0)
3. व्यावहारिक हिंदी संरचना और अभ्यास : प्र0 स0 महावीर सरन जैन, केन्द्रीय हिंदीसंस्थान आगरा।
4. मानक हिंदी का भाुद्धिपरक व्याकरण : रमे ा मेहरोत्रा : वाणी प्रका ान दिल्ली।

FYUG SYLLUBUS (NEP- 2020)
HINDI
First Semester
IDC -101
Credit - 3
HINDI SAHITYA OR CINEMA
हिन्दी साहित्य और सिनेमा

इकाई एक : सिनेमा और समाज

1–संचार माध्यम और सिनेमा।
2–सिनेमा के इतिहास का सामान्य परिचय।
3–सिनेमा के सरोकार।

इकाई दो : हिंदी कथा साहित्य और सिनेमा

1–हिंदी सिनेमा के विकास का संक्षिप्त परिचय।
2–हिंदी सिनेमा में हिन्दी उपन्यासों और कहानियों के फिल्मांतरण की परंपरा।
3–हिन्दी उपन्यासों और कहानियों पर बनी हिंदी फिल्मों के अध्ययन के विभिन्न पहलू।

इकाई तीन : चयनित हिन्दी कहानियों और उन पर बनी फिल्मों का तुलनात्मक अध्ययन

1–सद्गति (प्रेमचंद) –फिल्म : सद्गति (निर्देशक – सत्यजीत रे)
2–तीसरी कसम(फणी वरनाथ रेणु) –फिल्म : तीसरी कसम (निर्देशक – बासु भट्टाचार्य)
3–यही सच है (मन्नू भंडारी) –फिल्म : रजीनगंधा (निर्देशक – बासुचटर्जी)

निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक है। इस प्रकार संपूर्ण पाठ्यक्रम में न्यूनतम उत्तीर्णाक 40 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से दो-दो निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से दो-दो लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा एक-एक लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल दस प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 10 अंक (5 X 10 =50) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 4 अंक (5 X 4 = 20) निर्धारित हैं।

संदर्भ ग्रंथसूची : 555 : हिंदी साहित्य और सिनेमा

1. प्रहलादअग्रवालः हिन्दी सिनेमा बीसवीं से इक्कीसवीं सदी, साहित्य भंडार, इलाहाबाद।
2.अनुपम ओझा : भारतीय सिनेमा सिद्धान्त , राधाकृश्ण प्रका ान, दिल्ली।
3.विश्णु खरे : सिनेमापढ़ने के तरीके , प्रवीणप्रका ान, दिल्ली।
4.मनमोहन चड्डा : हिन्दी सिनेमा का इतिहास, सचिनप्रका ान, नई दिल्ली।
5.जवरीमल पारख : लोकप्रिय सिनेमा और समाजिक यथार्थ, अनामिका पब्लि ार्स , दिल्ली।
6.जवरीमल पारख : हिंदी सिनेमा का समाज ाास्त्र, ग्रंथि ाल्पी, दिल्ली।
7.विनोद भारद्वाज : सिनेमा, कल , आजऔरकल, वाणी प्रका ान, दिल्ली।
8. अरुणकुमार : सिनेमा और हिन्दी सिनेमा।
9. राहीमासूमरजा : सिनेमाऔरसंस्कृति, वाणी प्रका ान, दिल्ली।
10. डॉ. चंद्रकांतमिसाल : सिनेमाऔरसाहित्य के अन्तःसंबंध, हिन्दीसाहित्य निकेतन, 16 साहित्य विहार, बिजनौर (उ.प्र.)
11. नवलकि ाोर भार्मा : सिनेमाऔरसाहित्य की संस्कृति, ि ाल्पायन,10295, लेन नं.1 वैस्टगोरख पार्क, भााहदरा, दिल्ली.32

FYUG SYLLUBUS (NEP- 2020)
HINDI
First Semester
DSC -101
Credit - 3
HINDI SAHITYA KA ITIHAS
हिंदी साहित्य का इतिहास
(रीतिकाल तक)

उद्देश्य : इस प्रश्न-पत्र का उद्देश्य स्नातक के विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्येतिहास के आदिकाल से लेकर रीतिकाल तक की विभिन्न परिस्थितियों, प्रवृत्तियों से परिचित कराना है।

उपलब्धि : इस पाठ्य क्रम के अध्ययन के बाद विद्यार्थी आदिकाल, भक्तिकाल व रीतिकाल के विभिन्न कवियों, काव्य-धाराओं एवं इनके विविध पक्षों की जानकारी प्राप्त कर पाएंगे।

इकाई एक : साहित्येतिहास लेखन

1.1- हिंदी साहित्य के इतिहास में काल - विभाजन एवं नामकरण की समस्या (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल के संदर्भ में)।

1.2- आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि (राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक)

1.3 - आदिकालीन साहित्य का वर्गीकरण (सिद्ध, नाथ और जैन साहित्य तथा रासो साहित्य एवं लौकिक साहित्य) तथा उसका सामान्य परिचय ।

1.4 - आदिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ |

इकाई दो : भक्तिकाल की पृष्ठभूमि

2.1 - भक्तिकाल की पृष्ठभूमि (राजनीतिक, आर्थिक, आर्थिक, धार्मिक एवं दार्शनिक)

2.2- भक्ति आंदोलन के उदय के कारण ।

2.3- भक्ति आंदोलन के प्रमुख वैचारिक पक्षों का सामान्य परिचय |

इकाई तीन : निर्गुण भक्तिकाव्य परंपरा

3.1- निर्गुण ज्ञानमार्गी संतकाव्य परंपरा का सामान्य परिचय एवं निर्गुण ज्ञानमार्गी संतकाव्य परंपरा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ । निर्गुण ज्ञानमार्गी संत कविं कबीरदास ।

3. 2- निर्गुण प्रेममार्गी (सूफी) काव्य परंपरा का सामान्य परिचय एवं निर्गुण प्रेममार्गी (सूफी) काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ। निर्गुण प्रेममार्गी कवि के रूप में मलिक मुहम्मद जायसी।

इकाई चार : सगुण भक्तिकाव्य परंपरा

4.1 - रामभक्ति काव्य परंपरा का सामान्य परिचय एवं रामभक्ति काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ। रामभक्त काव्य परंपरा में कवि तुलसीदास का वैशिष्ट्य।

4.2 - कृष्ण भक्ति काव्य परंपरा का सामान्य परिचय एवं कृष्णभक्ति काव्य की प्रमुख विशेषताएँ अष्टछाप एवं कवि सूरदास। कृष्ण भक्त कवि के रूप में रसखान एवं कवयित्री मीराबाई।

इकाई पाँच : रीतिकालीन काव्य :

5.1- रीतिकालीन काव्य की पृष्ठभूमि (राजनीतिक एवं दरबारी, सामाजिक, सांस्कृतिक,धार्मिक एवं साहित्यिक) एवं रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य का सामान्य परिचय।

5.2- रीतिकाल के प्रमुख कवियों (केशवदास, देव, पद्माकर, बिहारी, घनानंद एवं भूषण का सामान्य परिचय | रीतिवादी एवं रीतिमुक्त काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक है। इस प्रकार संपूर्ण पाठ्यक्रम में न्यूनतम उत्तीर्णाक 40 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से दो-दो निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से दो-दो लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा एक-एक लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल दस प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 10 अंक (5 X 10 =50) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 4 अंक (5 X 4 = 20) निर्धारित हैं।

संदर्भ ग्रंथ : DSC 101: हिंदी साहित्य का इतिहास – (रीतिकाल तक)

1. हिंदी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।

2. हिंदी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

3. आदिकालीन हिंदी साहित्य : डॉ० शंभूनाथ पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी ।

4. हिंदी साहित्य का अतीत, भाग 1 एवं भाग 2, : आचार्य विश्वनाथ प्रसाद, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी ।

5. नाथ संप्रदाय और निर्गुण संत काव्य : कोमल सिंह सोलंकी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा ।

6. रासो साहित्य विमर्श : माता प्रसाद गुप्त (सं०), साहित्य भवन, इलाहाबाद

7. चन्दबरदाई और उनका काव्य : विपिन बिहारी द्विवेदी, हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद ।

8. भक्ति आंदोलन इतिहास और संस्कृति : डॉ० कुँवर पाल सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।

9. भक्तिकाव्य की भूमिका : प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।

10. मध्यकालीन बोध का स्वरूप : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

11. भक्ति काव्य का समाज दर्शन: प्रेमशंकर, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

12. मन खंजन किसके : मध्यकालीन साहित्य, संस्कृति और मूल्यांकन, रमेश कुंतल मेघ वाणी प्रकाशन, न. दि. ।

13. मध्यकालीन कवि और कविता: रतन कुमार, अनंग प्रकाशन, उत्तरी घोण्डा, दिल्ली-53

14. भक्ति आन्दोलन और मध्यकालीन हिन्दी भक्त काव्य : सुरेश चन्द्र, अमन प्रकाशन, कानपुर, उ.प्र. ।

15. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, काशी।

16. हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ० नगेन्द (सं.), मयूर पेपर बैक्स, ए-95, सैक्टर-5, नौएडा - 1

18. हिंदी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।

19. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ० बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

FYUG SYLLUBUS (NEP-2020)
HINDI
First Semester
DSC-102
Credit - 3

AADIKALEEN EVAM MADHYAKALEEN HINDI KAVITA
आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता

उद्देश्य : इस प्रश्न-पत्र का उद्देश्य स्नातक के विद्यार्थियों को आदिकालीन एवं मध्यकालीन समाज के साहित्य, भाषा व संस्कृति का बोध कराना है तथा परंपरा के आलोक में इतिहास एवं दर्शन की गहन समझ को विकसित कराना है।

उपलब्धि : इस पाठ्य क्रम के अध्ययन के बाद विद्यार्थी विद्यापति आदिकालीन एवं मध्यकालीन समाज के साहित्य, भाषा एवं संस्कृति से अवगत हो पाएंगे तथा युगीन कवियों, साहित्यकारों के काव्य के विविध पक्षों से परिचित होंगे।

इकाई एक : विद्यापति, चन्द्रबरदाई (कयमासवध – आरम्भिक पाँच पद), अमीर खुसरो (प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित पाठ कुल पद संख्या 1, 2, 3, 4, 5)

इकाई दो : सन्त कबीर एवं मालिक मोहम्मद जायसी

क -सन्त बाबीर प्रस्तावित पाठ्य पुस्तका से निर्धारित पाठ कुल दस साखी एवं पाँच सबद

साखी संख्या - 01, 05 : 08, 10, 12, 13, 14, 18, 22, 23

सबद संख्या - 2, 4, 7, 11 एवं 12

ख - मलिक मुहम्मद जायसी

प्रस्तावित पाठ पुस्तक से निर्धारित पाठ 1. नागमती वियोग खण्ड – बारहमासा के अंतर्गत प्रारंभ से पाँचवे दोहे तक तथा कथा का आध्यात्मिक रूपक

इकाई तीन : सूरदास एवं गोस्वामी तुलसीदास

क – सूरदास

प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित पाठ कुल नौ पद
विनय और भक्त से दो पद संख्या - 02. एवं 06 |
रूपमाधुरी और बाललीला से तीन पद संख्या - 11.13 एवं 14
मथुरा-गमन एवं भ्रमरगीत से चार पद संख्या - 17. 20, 21

ख - तुलसीदास

प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित पाठ : 'रामचरित मानस' शीर्षक से अजय रथ तथा विनय पत्रिका शीर्षक से तीन पद संख्या - 02 03 एवं 05

इकाई चार : मीराबाई और रसखान,

क- मीरांबाई

प्रस्तावित पाठ पुस्तक से निर्धारित पाठ कुल छह पद पद संख्या 1,2,6,10,14,18

ख-रसखान प्रस्तावित पाठ पुस्तक से निर्धारित पाठ कुल छह पद पद संख्या 3,4,5,6,8,101

इकाई पाँच : बिहारी एवं घनानन्द

क - बिहारी

प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित पाठ कुल सोलह दोहे।
(01, 02, 11, 12, 17, 21, 26, 38, 41, 44, 48, 50)

ख - घनानन्द

प्रस्तापित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित पाठ कुल छह पद
पद संख्या 01, 02, 03, 04, 09 एवं 10

(प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक 'काव्य संचयन' से डॉ चमन लाल गुप्ता, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली-2)

निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।

3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक है। इस प्रकार संपूर्ण पाठ्यक्रम में न्यूनतम उत्तीर्णाक 40 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से दो-दो निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से दो-दो लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा एक-एक लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल दस प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 10 अंक (5 X 10 =50) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 4 अंक (5 X 4 = 20) निर्धारित हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची: आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता

1. कबीर : एक पुनर्मूल्यांकन : सं० बलदेव वंशी आधार प्रकाशन, पंचकूला, हरियाणा ।

2. कबीर और भारतीय संत साहित्य : डॉ० रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

3. कबीर और उनका दर्शन : डॉ० रामाश्रय दास ब्रह्मचारी, प्रकाशन संस्थान दरियागंज, न० दिल्ली ।

4. कबीर विजयेन्द्र स्नातक राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली। 5. हिंदी की निर्गुण काव्ययधारा और कबीर डॉ० राजदेव सिंह आलेख प्रकाशन, नवीन शाहदरा, दिल्ली-321

6. जायसी विजयदेव नारायण हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद। 7. मलिक मुहम्मद जायसी डॉ० कन्हैया सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।

18. जायसी का अभिप्रत आशयः विजय शंकर मिश्र, साहित्य सहकार, दिल्ली। 9. सूरदास और उनका साहित्य हरवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़।

10. सूर साहित्य डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

11. सूरदास आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, 21 ए दरियागंज, दिल्ली। 12. महाकवि सूरदास आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, राजकमलप्रकाशन, नईदिल्ली।

13. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य : डॉ० मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

14. तुलसी एक पुनर्मूल्यांकन सं० अजय तिवारी, आधार प्रकाशन पंचकूला, हरियाणा।

15. तुलसी की साहित्य साधना : डॉ० लल्लन राय, वाणी प्रकाशन, 21 ए दरियागंज, दिल्ली।

16. लोकवादी तुलसीदास : विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

17 तुलसी उदय भानु सिंह राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

18. विनय पत्रिका एक मूल्यांकन : हरिचरण शर्मा, पंचशील प्रकाशन, चौड़ा रास्ता, जयपुर।

19. गोस्वामी तुलसीदास आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

20. रामचरित मानस : एक साहित्यिक मूल्यांकन : सुधाकर पाण्डेय राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
21. विद्यापति ठाकुर उमेश मिश्र हिन्दुस्तानी एकेडेमी. इलाहाबाद । 22. विद्यापति शिव प्रसाद सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
23. विद्यापति के गीत सं० नागार्जुन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली। 24. विद्यापति का काव्यलोक श्री नरेन्द्र नाथ दास बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना।
25. विद्यापति अनुशीलन और मूल्यांकन (दो खण्डों में) डॉ० वीरेन्द्र श्रीवास्तव, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना। 26. हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।

FYUG SYLLUBUS (NEP-2020)
HINDI
SECOND SEMESTER
DSC-151
Credit - 3
HINDI SAHITYA KA ITIHAS
हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

उद्देश्य : प्रस्तुत पत्र के अध्ययन से हिन्दी साहित्य के इतिहास के आधुनिक काल की परिस्थितियों व प्रवृत्तियों के आलोक में आधुनिक काल के उद्भव और विकास का विस्तृत परिचय प्राप्त करवाना होगा।

उपलब्धि : इस पाठ्य-क्रम के अध्ययन उपरान्त विद्यार्थी भारतेन्दु-युग, द्विवेदी-युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद एवं नई कविता के परिवेश एवं उनकी प्रवृत्तियों से अवगत हो पाएंगे। प्रमुख गद्य विधाओं जैसे नाटक, निबंध, कहानी, उपन्यास एवं आलोचना इत्यादि के स्वरूप एवं विकासक्रम से परिचित हो पाएंगे।

इकाई एक : आधुनिककाल के साहित्य की पृष्ठभूमि तथा भारतेंदु युग एवं द्विवेदी युग

1.1- हिंदी साहित्य के संदर्भ में आधुनिक काल और उसके उदय की पृष्ठभूमि।

1.2 - भारतेन्दु युग : भारतेन्दु और उनका मण्डल। भारतेन्दु युगीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

1.3- द्विवेदी युग महावीर प्रसाद द्विवेदी और सरस्वती पत्रिका द्विवेदी युगीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ द्विवेदी युग के प्रतिनिधि कवि के रूप में मैथिलीशरण गुप्त एवं अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' का सामान्य परिचय।

इकाई दो : छायावाद उत्तर छायावाद, प्रगतिवाद और प्रयोगवाद

2.1- छायावाद की पृष्ठभूमि । छायावादी काव्य के प्रमुख कवियों का सामान्य परिचय। छायावादी काव्य की प्रवृत्तियाँ उत्तरछायावादी काव्य परिवेश और प्रवृत्तियाँ।

2.2- प्रगतिवाद की वैचारिक पृष्ठभूमि प्रमुख प्रगतिवादी कवियों का सामान्य परिचय। प्रगतिवादी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

2.3- 'तार सप्तक' और प्रयोगवाद प्रयोगवाद की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

इकाई तीन : नयी कविता, साठोत्तरी कविता और समकालीन कविता :

3.1- नयी कविता का नामकरण एवं नयी कविता का आरंभ। नयी कविता काव्यधारा का विकास और उसके प्रमुख कवियों का सामान्य परिचय नयी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

3.2- साठोत्तरी कविता की पृष्ठभूमि साठोत्तरी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों ।

3.3- समकालीन कविता समकालीनता से अभिप्राय एवं समकालीन कविता का स्वरूप। समकालीन काव्य की मूल प्रवृत्तियाँ।

इकाई चार : हिंदी कहानी, उपन्यास तथा हिंदी गद्य की अन्य विधाओं का उद्भव और विकास

4.1 - हिंदी कहानी के उद्भव और विकास का सामान्य परिचय ।

4.2 - हिंदी उपन्यास के उद्भव और विकास का सामान्य परिचय ।

4.3 - हिंदी गद्य की अन्य प्रमुख विधाओं (जीवनी साहित्य, आत्मकथा, संस्मरण और रेखाचित्र आदि)के उद्भव और विकास का सामान्य परिचय।

इकाई पाँच : हिंदी नाटक, निबंध और आलोचना का उद्भव और विकास

5.1- हिंदी नाटक के उद्भव और विकास का सामान्य परिचय |

5.2- हिंदी निबंध के उद्भव और विकास का सामान्य परिचय |

5.3 - हिंदी आलोचना के उद्भव और विकास का सामान्य परिचय ।

निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक है। इस प्रकार संपूर्ण पाठ्यक्रम में न्यूनतम उत्तीर्णाक 40 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से दो-दो निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से दो-दो लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा एक-एक लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल दस प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 10 अंक (5 X 10 =50) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 4 अंक (5 X 4 = 20) निर्धारित हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची : DSC – 151 हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

1. हिंदी साहित्य का इतिहास आचार्य रामचंद्र शुभ नागरी प्रचारणी सभ काशी।
2. हिंदी साहित्य का इतिहास मयूर पेपर बैस, ए-05. सैक्टर-5, नौएडा -1
3. हिंदी साहित्य की भूमिका, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, डॉ. बच्चन सिंह,राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. बीसवी शताब्दी का हिंदी साहित्य विजय मोहन सि राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद।
7. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ डॉ० नामवर सिंह, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद।
8. समकालीन कविता की प्रवृत्तियों डॉ० रामकली सरा, विश्वविद्यालय प्रकाशन वारणसी।
9. आधुनिकतावाद दुर्गा प्रसाद गुप्ता, अनंग प्रकाशन, उत्तरी पोण्डा दिल्ली-13
10. छायावाद डॉ० नामवर सिंह राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
11. हिंदी स्वच्छंदतावादी काव्य प्रेमशंकर वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
12. प्रगतिवादी आंदोलन का इतिहास : कॉ० कर्णसिंह चौहान प्रकाशन संस्थान दरियागंज, नई दिल्ली।
13. प्रगतिशील कविता कल और आज डॉ० रतन कुमार विश्वविद्यालय प्रकाशन
14 प्रयोगवाद नई कविता और नवीन मोहम्मद इम्तियाज श्री. अनंग प्रकाशन, उत्तरी पोण्डा, दिल्ली
15. नई कविता, डॉ० देवराज, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
16 नयी कविता की चिंतन भूमि - उषा चौहान, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
17. नयी कविता और अस्तित्ववाद, डॉ० रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन न दिल्ली।
18. साठोत्तरी कविता में जनवादी चेतना, नरेन्द्र सिंह वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
19. साहित्य और विचारधारा, ओमप्रकाश ग्रेवाल, आधार प्रकाशन प्रा. लि. पंचकूला, हरियाणा
20. भारतीय स्वच्छंदतावाद और छायावाद प्रेमशंकर, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
21. आधुनिक हिंदी कविता का वैचारिक पक्ष रतन कुमार पाण्डेय विश्वविद्यालय प्रकाशन वारणसी।
22. साहित्य और विचारधारा ओमप्रकाश ग्रेवाल, आधार प्रकाशन प्रा. लि. पंचकूला, हरियाणा
23. समकालीन हिंदी कविता विश्वनाथ तिवारी, राजकमल प्रकाशन नईदिल्ली।
24. कविता और संवेदना विजयबहादुर सिंह, रामकृष्ण प्रकाशन विदिशा म०प्र०
25. समकालीन काव्य यात्रा नन्दकिशोर नवल किताबघर नवी दिल्ली।

26. कविता में समकाल रेवतीरमण, रामकृष्ण प्रकाशन, विदिशा, म०प्र०

27. समकालीन लेखन में यथार्थवाद और जनवाद आनंद प्रकाश(स) लोकमित्र प्रकाशन, शाहदरा, दिल्ली।

28. समकालीन कविता प्रश्न और जिज्ञासाएँ आनंद प्रकाश (स). लोकमित्र प्रकाशन शाहदरा, दिल्ली।

FYUG SYLLUBUS (NEP- 2020)
HINDI
SECOND SEMESTER
SEC -151
Credit - 3

VIGYAPAN KLA AVAM TAKNEEK
विज्ञापन कला एवं तकनीक

उद्देश्य : इस प्रश्न-पत्र का उद्देश्य स्नातक के विद्यार्थियों को विज्ञापन कला एवं तकनीक से अवगत कराना है। विज्ञापन के विविध माध्यमों प्रिंट, रेडियो एवं टेलिविजन आदि के व्यवहारिक एवं तकनीकी पक्षों से परिचित कराना है।

उपलब्धि : इस पाठ्य क्रम के अध्ययन के बाद विद्यार्थी हिन्दी भाषा में विज्ञापन के स्वरूप और संरचना से परिचित होने के साथ-साथ विज्ञापन निर्माण की प्रक्रिया को विभिन्न माध्यमों के अनुरूप तकनीकी रूप से समझ सकेंगे।

इकाई –एक : विज्ञापन सामान्य परिचय

1.1– विज्ञापन के इतिहास और विकास का सामान्य परिचय।
1.2– विज्ञापन की परिभाषा एवं स्वरूप।
1.3– विज्ञापन का उद्दे य। विज्ञापन की उपयोगिता , महत्व और प्रभाव।
1.4– विज्ञापन के प्रकार ।

इकाई –दो : विज्ञापन माध्यम

2.1– विज्ञापन के विविध माध्यमों का सामान्य परिचय : प्रिंट माध्यम, रेडियो माध्यम एवं टेलिविजन माध्यम।
2.2 – विज्ञापन के विविध माध्यमों (प्रिंट माध्यम, रेडियो माध्यम एवं टेलिविजन माध्यम) के गुण एवं सीमाएँ।

इकाई तीन : विज्ञापन की भाशा : स्वरूप और संरचना

3.1 – विज्ञापन की भाशा के गुण या वि ोशताएँ।
3.2– विज्ञापन की भाशा का स्वरूप : विज्ञापन में प्रयुक्त होने वाले भाब्दों की प्रकृति तथा भाब्दों के अभिधात्मक, लाक्षणिक एवं व्यंजनार्थक प्रयोग।
3.3 – विज्ञापन में हिंदी पदबंधों का प्रयोग :संज्ञा, सर्वनाम, वि ोशण, क्रिया एवं क्रिया वि ोशण पदबंधों का प्रयोग ।
3.4 – विज्ञापन में हिंदी वाक्यों (संरचना आधारित एवं अर्थ आधारित) के प्रयोग।

इकाई चार : विज्ञापन की भाशा के अन्य विविध पक्ष

4.1– विज्ञापन में भाशा कें भौलीविज्ञानपरक प्रयोग : विचलन एवं समानान्तरता।

4.2 – विज्ञापन की भाशा में कोड– मिश्रण।
4.3 – विज्ञापन में सादृ य विधान, अलंकारों, मानवीकरण का प्रयोग।
4.4 – विज्ञापन की भाशा में तुकान्तता और लयात्मकता।

इकाई पाँच : विज्ञापन – निमार्ण

5.1 – विज्ञापन –निर्माण से पूर्व तैयारी तथा माध्यम का चयन। चयनित माध्यम के लिए कापी लेखन।
5.2 – प्रिंट मीडिया के लिए लिए विज्ञापन निर्माण का अभ्यास – ले आउट, ले आउट तैयार करते समय ध्यान रखने योग्य बातें तथा ले आउट संबंधी सिद्धान्त (अनुपात, गति, एकता, विरोध एवं संतुलन) ।
5.3 – ले आउट के प्रमुख तत्व :– कापी एवं कापी अपील, भाीर्श पंक्ति, उप ाीर्श पंक्ति, विज्ञापन पाठ सामग्री, चित्र, व्यापारिक चिन्ह, हस्ताक्षर, सफेद जगह, सीमा रेखाएँ, विज्ञापन कथ्य एवं टाइप– विन्यास ।

निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक है। इस प्रकार संपूर्ण पाठ्यक्रम में न्यूनतम उत्तीर्णाक 40 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से दो-दो निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से दो-दो लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा एक-एक लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल दस प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 10 अंक (5 X 10 =50) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 4 अंक (5 X 4 = 20) निर्धारित हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची : **SEC -151 - विज्ञापन कला एवं तकनीक**

1. डॉ. प्रेचंद पातंजलि – आधुनिक विज्ञापन , वाणी प्रका ान, 21–ए, दरियागंज, नयी दिल्ली.02
2. मधु धवन – विज्ञापन कला, वाणी प्रका ान, नयी दिल्ली –02
3. डॉ. रेखा सेठी – विज्ञापन डॉट काम, वाणी प्रका ान, नयी दिल्ली–02
4. जनसंपर्क , प्रचार एवं विज्ञापन, विजय कुलश्रेश्ठ

FYUG SYLLUBUS (NEP-2020)

IDC-151

Credit - 3

LOK SAHITYA

लोक साहित्य

उद्देश्य : इस प्रश्न-पत्र का उद्देश्य स्नातक के विद्यार्थियों को लोक की सभ्यता, संस्कृति, रीति, नीति, कला, साहित्य के आलोक में परंपरागत ज्ञान के सैद्धांतिक और व्यवहारिक पक्षों का विश्लेषणात्मक परिचय कराना है।

उपलब्धि : इस पाठ्य क्रम के अध्ययन के बाद विद्यार्थी लोक साहित्य की अवधारणा व स्वरूप के साथ-साथ लोक कथा, लोक नाटक, लोक गीत, लोक सुभाषित की प्रकृति से परिचित हो पाएंगे।

इकाई एक : लोक साहित्य अवधारणा एवं स्वरूप

लोक की अवधारणा, 'फोकलोर' शब्द की अवधारणा, लोक संस्कृति और लोक साहित्य, लोक-साहित्य में लोक संस्कृति का चित्रण।

लोक-साहित्य का वर्गीकरण लोकगीत, लोकगाथा, लोकनाट्य और लोकसुभाषित। लोक साहित्य का महत्व।

इकाई दो : लोकगीत

लोकगीत और उनका वर्गीकरण- संस्कारों की दृष्टि से, ऋतुओं की दृष्टि से, व्रतों के आधार पर श्रम के आधार पर देवी-देवताओं आदि के आधार पर तथा उनकी सोदाहरण विशेषताएँ।

इकाई तीन : लोकगाथा एवं लोक कथा

-लोक गाथा का स्वरूप लोक गाथाओं की विशेषताएँ लोक गाथाओं के प्रकार।

- लोक-कथा का स्वरूप एवं परंपरा लोक कथाओं का वर्गीकरण लोककथाओं की विशेषताएँ ।

इकाई चार : लोक नाट्य

लोक नाट्य का स्वरूप लोक नाट्यों की विशेषताएँ ।

इकाई पाँच : लोक सुभाषित

- लोकोक्तियाँ, मुहावरे, पहेलियाँ, पालने के गीत, बाल-गीत एवं खेल के गीत

निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक है। इस प्रकार संपूर्ण पाठ्यक्रम में न्यूनतम उत्तीर्णाक 40 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से दो-दो निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से दो-दो लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा एक-एक लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल दस प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 10 अंक (5 X 10 =50) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 4 अंक (5 X 4 = 20) निर्धारित हैं।

संदर्भ ग्रंथ : IDC - 151 लोक साहित्य

1. लोक साहित्य की भूमिका. डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन, प्रा. लिमिटेड, के. पी. कक्कड रोड, इलाहाबाद।
2. भारतीय लोक साहित्यः परम्परा और परिदृश्य डॉ. विद्या सिन्हा
3. साहित्य, डॉ. सत्येन्द्र
4. हिंदी का जनपदीय साहित्य, डॉ. विद्यानिवास मिश्र

FYUG SYLLUBUS (NEP - 2020)
HINDI
SECOND SEMESTER
DSC-152
Credit - 3

ADHUNIK HINDI KAVITA (CHAYAVAD TAK)

आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)

उद्देश्य : इस पत्र का उद्देश्य स्नातक के विद्यार्थियों को आधुनिक काल की राष्ट्रीय एवं सास्कृतिक चेतना के आलोक में आधुनिक हिन्दी कविता के उद्भव और विकास का विस्तृत परिचय प्राप्त करवाना होगा।

उपलब्धि : इस पाठ्य क्रम के अध्ययन के बाद विद्यार्थी आधुनिक हिन्दी कविता के प्रतिनिधि कवियों के साहित्यिक एव भाषिक वैशिष्ट से परिचित होंगे। साहित्य, समाज एवं प्रकृति के रागात्मक संबंधों तथा आधुनिक हिन्दी कविता के नवीन सौंदर्यबोध का विस्तृत अवलोकन कर सकेंगे।

इकाई एक : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित दो कविताएँ

1. भारत वीरत्व 2. हिन्दी भाषा शीर्षक से निर्धारित 12 दोहे : दोहा क्रमांक 01 04, 09, 12, 14, 20, 21, 25. 29, 30, 39 एवं 43

3. यमुना शोभा से पारम्भिक तीन पद ।

इकाई दो : मैथिलीशरण गुप्त

प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित तीन कविताएँ 1. कैकेयी अनुताप,

2. यशोधरा, व्यापार शीर्षक कविता से प्रारंभिक दस पद ।

इकाई तीन: जयशंकर 'प्रसाद' प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित तीन कविताएँ :

1. श्रद्धा 2. निर्वेद 3. हे लाज भरे सौन्दर्य बता दो-

इकाई चार : सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित तीन कविताएँ

1. जुही की कली 2. सरोज स्मृति 3. जागो फिर एक बार (1 एवं 2)

इकाई पाँच : महादेवी वर्मा एवं सुमित्रानंदन पंत

क. महादेवी वर्मा -   प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित चार कविताएँ :

1. मैं नीर भरी दुख की बदली. 2. पिक, हौले-हौले बोल 3. अपरिचित पथ,

4. चुभते ही तेरा अरुण बान

ख. सुमित्रानंदन पंत प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक से निर्धारित दो कविताएँ

1. प्रथम रश्मि 2. नौका विहार

निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक है। इस प्रकार संपूर्ण पाठ्यक्रम में न्यूनतम उत्तीर्णांक 40 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से दो-दो निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से दो-दो लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा एक-एक लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल दस प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 10 अंक (5 X 10 =50) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 4 अंक (5 X 4 = 20) निर्धारित हैं।

संदर्भ ग्रंथ : आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)

1. हिंदी साहित्य की आधुनिक प्रवृत्तियाँ: डॉ० नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद। 2. छायावाद, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

3. मैथिलीशरण गुप्त प्रासंगिकता के अंतःसूत्र कृष्ण दत्त पालीवाल वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

4. मैथिली शरण गुप्त एक मूल्यांकन डॉ० नगेन्द, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।

5. कविता और संवेदना विजयबहादुर सिंह, रामकृष्ण प्रकाशन, विदिशा, म०प्र० ।

6. प्रसाद निराला और पंत विजय बहादुर सिंह, स्वराज्य प्रकाशन, नयी दिल्ली।

7. प्रसाद का काव्य प्रेमशंकर राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

8. प्रसाद निराला, अज्ञेय डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद ।

9. निराला डॉ० रामविलास शर्मा. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

10. निराला पुनर्मूल्यांकन ए० अरविंदाक्षन, आधार प्रकाशन, पंचकूला।

11. निराला कवि-छवि: डॉ० नन्दकिशोर नवल, प्रकाशन संस्थान, दरियागंज, नई दिल्ली।
12. महादेवी : गंगाप्रसाद पाण्डेय, राजपाल एण्ड सन्ज कश्मीरी गेट दिल्ली।
13. महादेवी आधुनिक कवि भाग प्रकाशक साहित्य सम्मेलन प्रयाग। -
14. हिंदी साहित्य का इतिहास आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, काशी।
15. हिंदी साहित्य का इतिहास सम्पादक: डॉ० नगेन्द, मयूर पेपर बैक्स, ए-95. सैक्टर-5, नौएडा -1
16. निराला का काव्य डॉ० बच्चन सिंह, आधार प्रकाशन पंचकूला।
17. निराला की कविताएँ और काव्य भाषा डॉ० रेखा खरे, लोकभारती प्रकाशन. इलाहाबाद।
18. महादेवी इन्द्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
19. आधुनिक प्रतिनिधि कवि, भाग -1 डॉ. हरिचरण शर्मा, मलिक एण्ड कम्पनी, 337चौड़ा रास्ता, जयपुर - 03.

FYUG SYLLUBUS (NEP- 2020)
HINDI
Second Semester
DSM -151
Credit - 3

HINDI BHASHA EVAM VYAKARAN

हिंदी भाषा एवं व्याकरण

उद्देश्य : इस प्रश्न-पत्र का उद्देश्य स्नातक के विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा के व्यवहारिक व्याकरण से अवगत कराना तथा हिन्दी भाषा –रचना के प्रकार एवं प्रक्रिया का सम्यक बोध कराना है।

उपलब्धि : इस पाठ्य क्रम के अध्ययन के बाद विद्यार्थी हिन्दी भाषा के स्वरूप, वर्गीकरण आदि के साथ-साथ देवनागरी लिपि, शाब्दिक व्यवस्था, वाक्य विन्यास, पदबंध आदि के विकास, विशेषता एवं वैज्ञानिक प्रक्रिया की समझ विकसित कर पाएंगे।

इकाई एक : भाशा और व्याकरण

1.1 – भाशा की परिभाशा, भाशा के अंग एवं भाशा की वि ोशताएँ।
1.2 – व्याकरण की परिभाशा एवं महत्त्व।
1.3 – भाशा और व्याकरण का अंतःसंबंध।

इकाई दो : हिंदी की ध्वनि व्यवस्था, हिंदी की लिपि एवं वर्तनी

2.1 –हिंदी भाशा ध्वनि के भेद (स्वर और व्यंजन तथा उनका वर्गीकरण, अनुस्वार और अनुनासिकता)। संधि, अक्षर एवं उच्चारण भौली(बलाघात, अनुतान एवंसंगम)।
2.2 – देवनागरी लिपि एवं उसकी वि ोशताएँ। देवनागरी हिंदी वर्णमाला और उसका मानकीकरण। वर्तनी से अभिप्राय एवं भाुद्ध वर्तनी का महत्त्व।
2.3 – हिंदी भाब्दों में अभाुद्ध वर्तनी के प्रयोग के मुख्य कारण तथा हिंदी भाब्दों की वर्तनीगत भाुद्ध रूप।

इकाई तीन : हिंदी में भाब्द और भाब्द–वर्ग

3.1 – भाब्द की अवधारणा, भाब्द और वाक्य, भाब्द और पद।
3.2 – भाब्दों के प्रमुख वर्गीकरण यथा स्रोत के आधार पर (तत्सम,तद्भव, दे ाज एवं विदे ी), अर्थ के आधार पर (एकार्थी, अनेकार्थी, समानार्थी या पर्याय तथा विलोम), रचना के अधार पर (रूढ़, यौगिक एवं योगरूढ़) तथा रूपविकार के आधार पर (विकारी एवं अविकारी) की सामान्य जानकारी।
3.3 – हिंदी में भाब्दों की व्याकरणिक कोटियाँ : संज्ञा,सर्वनाम, वि ोशण और क्रिया (केवल परिभाशा और भेद)। लिंग, वचन और कारक।

इकाई चार : हिंदी में भाब्द–रचना

4.1 –भाब्द रचना और उसका महत्त्व। रूपसाधक रचना और भाब्दसाधक रचना तथा इनमें अंतर।

4.2 – भाब्दरचना की युक्तियाँ : उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास एवं युग्म–पुनरूक्त भाब्द।

4.3 – भाब्दगत अ ुद्धियाँ एवं उनके भाुद्ध रूप।

इकाई पाँच : वाक्य विचार

5.1 – वाक्य की अवधारणा , वाक्य के घटक एवं वाक्य रचना के तत्व।

5.2– हिंदी में पाये जाने वाले प्रमुख वाक्य साँचे।

5.3 – पदबंध और उनके प्रकार : संज्ञा पदबंध, वि ोशण पदबंध, क्रिया पदबंध एवं क्रियावि ोशण पदबंध ।

5.4– वाक्य के भेद : अर्थ के आधार पर एवं रचना के आधार पर वाक्य भेद।

5.5– वाक्य रूपांतरण : संरचना की दृश्टि से, अर्थ की दृश्टि से एवं वाच्य की दृश्टि से वाक्य रूपांतरण।

5.6 – वाक्यगत अ ुद्धियाँ और उनके भाुद्धरूप ।

निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक है। इस प्रकार संपूर्ण पाठ्यक्रम में न्यूनतम उत्तीर्णाक 40 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से दो-दो निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से दो-दो लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा एक-एक लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल दस प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 10 अंक (5 X 10 =50) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 4 अंक (5 X 4 = 20) निर्धारित हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची : हिंदी भाशा का व्यावहारिक व्याकरण

1. व्यावहारिक हिंदी व्याकरण और वार्तालाप : चतुर्भुज सहाय एवं अरुण चतुर्वेदी प्रका ाक– केन्द्रीय हिंदी संस्थान, हिंदी संस्थान मार्ग, आगरा– 282005 (उ0प्र0)

2. व्यावहारिक हिंदी संरचना और अभ्यास : स0 चतुर्भुज सहाय अरुण चतुर्वेदी प्र0 केन्द्रीय हिंदी संस्थान, हिंदी संस्थान मार्ग, आगरा– 282005 (उ0प्र0)

3. व्यावहारिक हिंदी संरचना और अभ्यास : प्र0 स0 महावीर सरन जैन, केन्द्रीय हिंदीसंस्थान आगरा।

4. मानक हिंदी का भाुद्धिपरक व्याकरण : रमे ा मेहरोत्रा : वाणी प्रका ान दिल्ली।